CSM – 43/19

Indian Language & Literature in Hindi

Paper – II

Time : 3 hours

Full Marks : 300

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates should attempt Q. No. 1 from Section – A and Q. No. 5 from Section – B which are compulsory and any ***three*** *of the remaining questions, selecting at least* ***one*** *from each Section.*

SECTION – A

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : $20 \times 3 = 60$

(क) कबीर की साखियों के आधार पर समाज सुधारक के रूप में कबीर की आलोचना कीजिए ।

(ख) 'कवितावली' के उत्तरकाण्ड में वर्णित मुख्य प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए ।

(ग) अज्ञेय जी की 'असाध्य वीणा' कविता अन्तर और बाह्य जगत की एकाकारता का सबसे सजीव चित्र है। विवेचन कीजिए ।

(घ) 'कुरुक्षेत्र' में निहित प्रगतिवादी स्वर पर प्रकाश डालिए ।

2. बिहारी के पठित दोहों के आधार पर उनके विषय-वैविध्य पर प्रकाश डालिए । 60

3. 'राम की शक्ति-पूजा' में निराला ने धर्म और अधर्म के शाश्वत संघर्ष के जरिए युगीन यथार्थ की विकरालता को व्यंजित किया है । सोदाहरण समझाइये । 60

4. एक प्रतीकात्मक काव्य के रूप में 'कामायनी' की सफलता पर विचार कीजिए । 60

SECTION – B

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए :

$20 \times 3 = 60$

(क) उद्देश्य की दृष्टि से 'अन्धेर नगरी' की आलोचना कीजिए ।

(ख) 'दिव्या' उपन्यास की ऐतिहासिकता सिद्ध कीजिए ।

(ग) 'कविता क्या है' निबन्ध के मूल विचार प्रस्तुत कीजिए ।

(घ) कहानी-कला की दृष्टि से प्रेमचन्द की पठित किसी एक कहानी की आलोचना कीजिए ।

6. नाट्य-कला की दृष्टि से 'स्कन्दगुप्त' की समीक्षा कीजिए । 60

7. आँचलिक उपन्यास के रूप में 'मैला आँचल' की सफलता पर विचार कीजिए । 60

8. समकालीन युग-जीवन के संदर्भ में 'आषाढ़ का एक दिन' की प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए । 60